|| श्री स्वामी सामर्थ ||

|| अक्षदा मंत्र ||

ॐकार स्वरूपी, ॐकार मई, ॐकार प्रकाशी, ॐकार दर्शी ॥
ॐकार ज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
मनः स्वरूपी, मनःमई, मनः प्रकाशी, मनः दर्शी, मनःज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
बुद्धी स्वरूपी, बुद्धी मई, बुद्धी प्रकाशी, बुद्धी दर्शी, बुद्धी ज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
सिद्धी स्वरूपी, सिद्धी मई, सिद्धी प्रकाशी, सिद्धी दर्शी,सिद्धी ज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
धर्म स्वरूपी, धर्म मई,धर्म प्रकाशी, धर्म दर्शी, धर्म ज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
अर्थ स्वरूपी, अर्थ मई, अर्थ प्रकाशी, अर्थ दर्शी, अर्थ ज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
मोक्ष स्वरूपी, मोक्ष मई, मोक्ष प्रकाशी, मोक्ष दर्शी, मोक्ष ज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
सौभाग्य स्वरूपी, सौभाग्य मई, सौभाग्य प्रकाशी, सौभाग्य दर्शी, सौभाग्य ज्ञाता, सौमंगलकारी अक्षता अर्पणम् त्वरे करा ॥
सद्गुरू श्री स्वामी ध्यात् मात्रेन अक्षता अर्पितम् स्तोत्रं
यः पेठेत् नरः तस्य जीवनं शत विरहित परिपूर्णम ॥
करोती तथा भविष्यम् प्रफुल्लयती न संशयः ॥॥ ॐ स्वामी । ॐ स्वामी । ॐ स्वामी। हरि ॐ तत्सत् ॥॥

॥ श्री गुरुदत्तात्रेयार्पणमस्तु ॥॥ श्री स्वामी समर्थार्पण मस्तु॥